



## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:09.08.2023**

## PUNJAB KESARI

### वैज्ञानिक अवधारणाओं को मातृभाषा में समझने की आवश्यकता : कुलपति प्रो. तोमर

#### ■ वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भट्टनगर की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद, 8 अगस्त (पूजा): वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सोइएसआईआर) के संस्थापक निदेशक तथा सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भट्टनगर की जयंती के उपलक्ष्य में जे.सी. बोम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गाइडमसोए, फरीदाबाद में आज एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस.एस. भट्टनगर गूनिवर्सिटी इन्स्टीट्यूट ऑफ कैमिकल

इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पंजाब गूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से प्रोफेसर गौरव वर्मा मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता जे.सी. बोम विज्ञविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने की।

कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान भारती (विभा) हरियाणा के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभा हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जयाहर लाल के स्वागत संबोधन से हुई, जिन्होंने कार्यक्रम का परिचय दिया तथा डॉ. शांति स्वरूप भट्टनगर की जयंती के उपलक्ष्य में 12 अगस्त 2023 को एनआईटी कुरुक्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रोफेसर गौरव वर्मा ने डॉ. शांति स्वरूप भट्टनगर के जीवन और कार्यों पर चर्चा



दीप प्रज्ञालित कर कार्यक्रम का सुभारंभ करते कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर एवं अन्य।

की। उन्होंने डॉ. भट्टनगर के दूषदर्श नेतृत्व पर प्रकाश डाला, जिन्होंने सोइएसआईआर प्रयोगशालाओं के प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. भट्टनगर की विरासत को संगीतित करने और वर्तमान बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इससे पहले, प्रोफेसर सुशील कुमार रखने के लिए प्रेरित करने के महत्व पर बल दिया। प्रो. तोमर ने भारतीय

विज्ञान की गहराई और भारतीय वैज्ञानिकों की बुद्धिमत्ता को ऐक्षणिकत किया तथा विज्ञानियों को अपनी मातृभाषा में वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने के महत्व पर बल देते हुए, वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समाप्तन करते हुए, विभा हरियाणा के सदस्य प्रो. सैर्वेस ने समाप्त भाषण दिया और प्रोफेसर गौरव वर्मा को उनके ज्ञानर्थक मुख्य प्रधान के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विंदु मंगला, डॉ. अरुण कुमार तथा विज्ञान भारती फरीदाबाद की टीम ने किया। कार्यक्रम संस्कृति संत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रमोजित और विज्ञान भारती, नई दिल्ली द्वारा समर्वित था।



## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:09.08.2023**

## PIONEER

# इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी पर एक सप्ताह का पाठ्यक्रम शुरू

ईवी प्रौद्योगिकी तथा  
इलेक्ट्रिक मोबिलिटी  
क्षेत्र में उभरते  
अवसरों पर चर्चा की

पाठ्यनियर समाचार। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी  
विश्वविद्यालय बाईएमसीए  
फरीदाबाद के इलेक्ट्रिकल  
इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इलेक्ट्रिक  
वाहन प्रौद्योगिकी पर आमंत्रित एक  
सप्ताह के लम्घु अवधि पाठ्यक्रम का  
शुभारंभ हुआ।

उद्घाटन सत्र में जेबोएम ड्रीन  
एनर्जी सिस्टम्स, गुरुग्राम के सीईओ  
अरुण कपूर और दिल्ली  
टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली  
से प्रो. मुख्यालय निंह मुख्य वक्ता  
रहे। सत्र में डीन (संस्थान) प्रो.  
संदीप ग्रोवर, डीन (एफईटी) प्रो.  
राजकुमार, कुलसचिव डॉ. मुनील



कुमार गर्ग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग  
विभाग की अध्यक्ष डॉ. अंजु गुप्ता,  
दीन, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष  
तथा संकाय सदस्य उपस्थित रहे।  
सत्र का संचालन डॉ. साक्षी कालरा  
और डॉ. अनुभा गौतम ने किया।  
कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक  
दोष प्रश्वलन के साथ हुई, जिसके  
बाद डॉ. अंजु गुप्ता ने गणमान्य लोगों  
का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के  
ठेसरों और महत्व के बारे में  
जानकारी दी। सत्र को संबोधित  
करते हुए प्रो. ग्रोवर ने तेजी से

विकसित हो रहे आटोमोटिव और  
परिवहन उद्योग के संदर्भ में ऐसे  
पाठ्यक्रमों के आयोजन के  
महत्वपूर्ण महत्व पर ध्यान दिया।  
उन्होंने कहा कि ऐसे पाठ्यक्रम  
प्रतिभागियों को ज्ञान और कौशल  
प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं  
और प्रतिभागियों को ऐसे अवसरों  
का लाभ उठाना चाहिए।

डीन (एफईटी) प्रो. राज  
कुमार ने पाठ्यक्रम के आयोजन पर  
विभाग के प्रबालों की सराहना की।  
उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती

प्रौद्योगिक परिदृश्य में प्रतिस्पर्शी  
बने रहने, सतत परिवहन समाधानों  
में योगदान देने तथा विद्युतीय  
गतिशीलता की क्षमता का उपयोग  
करने के इच्छुक प्रतिभागियों के  
लिए ऐसे पाठ्यक्रम मूल्यवान  
संसाधन होते हैं।

मुख्य वक्ता अरुण कपूर ने ईवी  
पाठ्य-ट्रेन प्रौद्योगिकी और  
इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में उभरते  
जन्मी विकास, ग्रिड विचारणा बढ़ाने  
और परिवहन के सम्बन्ध पर्यावरणीय  
प्रभाव को कम करने के सदर्भों पर  
भी चर्चा की गई।

पावर-ट्रेनों के तकनीकी पहलुओं  
की समझ को बढ़ाना और सतत  
बाजार विकास के लिए उ  
व्यवसायिक रणनीतियों पर ज़्यादातर  
करना था।

प्रो. मुख्यालय सिंह ने  
नवीकरणीय ऊर्जा के साथ  
इलेक्ट्रिक वाहनों के एकोकरण पर<sup>2</sup>  
जानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया  
तथा ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा  
स्रोतों के बीच संबंध की जानकारी  
दी। उन्होंने प्रौद्योगिकों के सभावित  
लाभ और चुनौतियों का वर्णन  
किया तथा भविष्य की विद्युत  
गतिशीलता और नवीकरणीय ऊर्जा  
प्रणालियों को स्पाई तथा स्थीरीय  
ऊर्जा परिस्थितिकी तंत्र के रूप में  
विकसित करने को परिकल्पना पर  
चर्चा की। इस एकोकरण के द्वारा  
जन्मी विकास, ग्रिड विचारणा बढ़ाने  
और परिवहन के सम्बन्ध पर्यावरणीय  
प्रभाव को कम करने के सदर्भों पर  
भी चर्चा की गई।



## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:09.08.2023**

### AAJ SAMAJ

वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

# वैज्ञानिक अवधारणाओं को मातृभाषा में समझने की आवश्यकता: प्रो. तोमर

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के सम्मानक निदेशक तथा सुपरिनेंड वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उत्सव में जैसी जौन विज्ञान और फ्रीडोम्सोफ्ट विश्वविद्यालय, वार्षिकमीण, फरीदाबाद में भजन एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ. एसएस भटनागर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, एवं विज्ञानीय संस्कृति, चंडीगढ़ से प्रोफेसर शीर्ष वर्षा मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता डॉ.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलपति और संस्कृत कृमार लोमर ने की। कार्यक्रम का आयोजन



गुरुवारं करते हुए कुलपति डॉ. मुख्याल कृमार लोमर ने अपने संबोधन में डॉ. शांति स्वरूप भटनागर को शुभकामनाएँ दी।

विज्ञान भारती (विभा) हरिहारण के कार्यक्रम का परिचय दिया तथा डॉ. संनुका तत्वावधान में किया गया। शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के कार्यक्रम की शुरुआत विभा हरिहारण के अवलोकन द्वारा जलात के उपलब्ध में 12 अगस्त 2023 को एनआईटी कुरुक्षेत्र में होने वाले रथयात्रे के लिए प्रेरित करने के महात्व पर विज्ञान भारती जलात की बवाद रथयात्रे के लिए प्रेरित करने के महात्व पर विज्ञान भारती जलात की बवाद रथयात्रे की घोषणा की गयी। इस रथयात्रे के अवलोकन की घोषणा की गयी। इस रथयात्रे की घोषणा की गयी।

अपने संबोधन में यूज वक्ता प्रोफेसर शीर्ष वर्षा ने डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के जीवन और कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने डॉ. भटनागर के दृष्टिरूप नेतृत्व पर प्रकाश दाता, जिन्होंने सीएसआईआर प्रोफेसरशालाओं के माध्यम से जाति में विज्ञान को अपने बहुत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम का समाप्तन करते हुए, विभा हरिहारण के सदूच प्रो. शीर्ष वर्षा ने समाप्तन भारती दिवस और प्रोफेसर शीर्ष वर्षा को उनके द्वान्यकार्यक मुख्य भाग के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन द्वारा विंटु बर्गला, डॉ. अरण कुमार तथा विद्युत भारती फॉरेंटाइट की टीम ने किया। कार्यक्रम सम्पूर्ण नियन्त्रण संकालन, भारती सरकार द्वारा जारीकीय और विज्ञान भारती, नई दिल्ली द्वारा समर्पित था। इस सत्र में कार्यक्रमी संख्या में संतान सदस्यों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।



## **NEWS CLIPPING:09.08.2023**

# REPCO NEWS

**‘इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी’ पर सासाहिक पाठ्यक्रम आरम्भ**



प्रतिरक्षणगों को ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। इन (वर्षों) प्रो-ग्राम कुमार में वायदवाक के अध्यायन ग्रन्थ विधान के प्रयोगों से सहायता की। उनमें जब किसी दौरी में बदलाव हो तो वह निकलकर विदेशी देशों में वायदवाक के अध्यायन करता है। इस काल के लोगों प्रतिरक्षणगों के लाभ के लिए वायदवाक के अध्यायों को वायदवाक और वायदवाक विधान के लिए व्यापारिक वायदवाकों पर जागरूकता कराता था। ऐसे व्यापारिक विधान ने नवीकरणीय दौरी के साथ एकेंट्रूक वायदवाक के एकाधिक प्रयोग का व्यापक प्रसूत किया था। तभी ही और नवीकरणीय दौरी से वायदवाक की जागरूकता उत्तीर्ण हो गई। उद्देश्य प्रोत्तोषों के समर्पण तथा और चृत्यात्मों का वर्यन विद्या तथा भव्यता को स्वित गतिशीलता और नवीकरणीय दौरी प्रयाणियों को सहज तथा लोचनी कर्त्तव्य के लिए जड़ लगाने के अलावा विकास वायदवाक की विकल्पना पर ध्यय की। इस समीक्षण के द्वारा कठीन विद्या विद्याएं और विद्यालयों के सम्बन्ध में विवाद करने की जरूरत नहीं पड़ती।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:09.08.2023**

## NAV BHARAT TIMES

# वैज्ञानिक की जयंती पर हुआ कार्यक्रम

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के संस्थापक निदेशक डॉ. शांति स्वरूप भट्टांगर की जयंती पर कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर डॉ. एसएस भट्टांगर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रफेसर गौरव वर्मा मुख्य वक्ता रहे।

सत्र की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर सुशील कुमार तोमर ने की। यह कार्यक्रम विज्ञान भारती हरियाणा के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान भारती हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जवाहर लाल भी मौजूद रहे।